percentage in total plan and its position compared to private sector;

(b) what is the capital investment envisaged in private sector i.e. small, middle and big; and

(c) what is the projected impact on employment in the Eighth Five Year Plan period, what is the expected backlog at the commencement of the Plan and at the end of the Eighth Plan?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI H. R. BHARDWAI): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

संसद सदस्यों द्वारा पासपोर्ट के आवेदन पत्रों के सत्यापन

*15. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :**

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पहले संसद सदस्यों को पासपोर्ट फार्म तसदीक करने का अधिकार था और अब पिछले कई वर्षों से उन्हें यह अधिकार नहीं है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या सरकार को इससे जनता को होने वाली कठिनाइयों की जानकारी है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फलेरियो) : (क)जी हां

(ख) दिसम्बर, 1984 में तब के सुरक्षा वातावरण को देखते हुए यह फैसला किया गया था कि पुलिस और सी० आई० डी० सत्यापनों के बिना पासपोर्ट जारी न किए जाएं ।

(ग) जी हां ।

Measure for the Welfare of Indians in Libya

*16. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the number of Indian Nationals in Libya at present; and

(b) what measures have been taken for their welfare in view of the recent UN sanctions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) The number of Indian nationals in Libya is estimated to be between 13,000 to 15,000.

(b) In consultation with the Indian Embassy in Tripuli, measures have been devised to minimise the hardship to Indian nationals in: the event of any emergency arising from the imposition of the UN sanctions.

चकमा शरणार्थियों पर व्यय

*17. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री धूलेश्वर मीणा :

क्या विदेश मंत्री 30 मार्च, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 4402 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बर्मा के रोहिंग-मुसलमानों को चटगांव के पर्वतीय क्षत्रों में बसाने की बंगलादेश सरकार की कथित योजना के कारण त्रिपुरा में कुछ हजार चकमा शरणार्थियों को स्वदेश भेजने की संभावनाएं क्षीण हो गई हैं; और

(ख) यदि हां, तो भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में विभिन्न शिविरों में इस समय कुल कितने चकमा शरणार्थी ठहरे हुए हैं और 1991–92 के वर्ष के दौरान उनके भरण-पोषण पर अनुमानत: कितनी राशि व्यय हुई है ?